

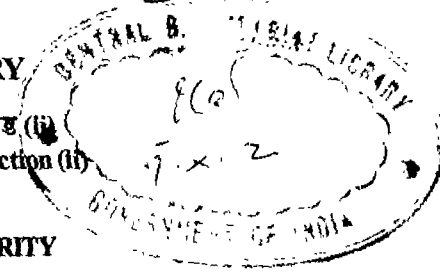


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 487]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 27, 2002/ज्येष्ठ 6, 1924

No. 487]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 27, 2002/JYAISTHA 6, 1924

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मई, 2002

का.आ. 568(अ).—राष्ट्रपति, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 (1987 का 39) की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी. बी. पटनायक को तत्काल प्रभाव से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष नामनिर्दिष्ट करते हैं।

[फा. सं. ए-60011/16/2002-प्रशा.-III(वि.का.)]
आर. एल. कोली, संयुक्त सचिव एवं विधि सलाहकार

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th May, 2002

S.O. 568(E).—In exercise of the powers conferred under clause (b) of the Sub-section (2) of Section 3 of the Legal Services Authorities Act, 1987 (39 of 1987), the President is pleased to nominate Mr. Justice G.B. Pattanaik, Judge of Supreme Court of India as Executive Chairman of the National Legal Services Authority with immediate effect.

[F. No. A-60011/16/2002-Admn.-III(I)
R.L. KOLI, Jt. Secy. & Legal Adv

1702 GI/2002

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

